सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-08
05/01/2017

गुरू सर्किट का किया जायेगा विकास, पटना सिटी गुरू के बाग के पास बहुउद्देशीय प्रकाश केन्द्र एवं उद्यान की स्थापना की जायेगी :– मुख्यमंत्री

पटना, 05 जनवरी 2017 :– श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व के अवसर पर गॉधी मैदान पटना में आयोजित विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि दशमेश पिता सरवंशदानी साहिबे कमाल श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व के अवसर पर पटना की इस पवित्र भूमि में देश–विदेश से पधारे लाखों श्रद्धलुओं का मैं तहेदिल से स्वागत करता हूँ। इस विशेष समागम में पधारे माननीय प्रधानमंत्री जी का भी मैं हार्दिक स्वागत करता हूँ।

उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में बिहार शक्ति, संस्कृति एवं शिक्षा के प्रतीक के रूप में जाना जाता रहा है। बिहार ज्ञान एवं मोक्ष दोनों की धरती है। बिहार की पावन धरती विभिन्न धर्मों की हृदय स्थली रही है और यह धरती कई धर्मों के गुरूओं एवं महात्माओं की जन्म अथवा कर्मभूमि है। सृष्टि के महान नायक सरवंशदानी श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज का प्रकाश भी इसी धरती पर हुआ। इस धरती की महानता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि इस अवधि में दो धर्मों के बड़े समारोह एक साथ अयोजित हो रहे हैं। पटना में श्री गुरू गोविन्द सिह जी महाराज का 350वॉ प्रकाश पर्व एवं बोधगया में 34वीं कालचक्र पूजा। साथ ही इस वर्ष हम महात्मा गॉधी के चम्पारण सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। ये हमारे लिये अत्यंत गौरव एवं सौभाग्य का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज वह महान शख्सियत थे, जिन्होंने मानवता की भलाई के लिये अपना सरवंश अर्पण कर दिया। उन्होंने कौम की रक्षा के लिये न केवल अपने प्राण न्योछावर किये, वरन् जो कुछ भी अपना था, वतन के लिये अर्पण कर दिया। श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज सरवंशदानी, संत सिपाही, महान योद्धा, सफल नेतृत्वकर्ता, सामाजिक–अध्यात्मिक–राजनीतिक चिंतक, श्रेष्ठ साहित्यकार, बहुभाषी विद्वान, दया–क्षमा–प्रेम–विनम्रता–परोपकार आदि सद्गुणों से सम्पन्न एक आदर्श व्यक्तित्व थे। 42 वर्ष की अल्प आयु में इतने महान कार्यों को अंजाम देना किसी चमत्कार से कम नहीं है।

उन्होंने कहा कि श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज का अडिग विश्वास था कि उनके जीवन का ध्येय ''ईश्वरीय इच्छा'' का विधान है और उन्होंने मानवता की सेवा तथा आध्यात्मिकता को हासिल करने हेतु अपना पूरा जीवन अर्पण कर दिया। गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज का सारा संघर्ष दलित–शोषित मानवता की रक्षा के लिये था। उन्होंने दबे–कुचले लोगों को एकत्र कर ''खालसा'' पंथ का सृजन कर ऐसी अदम्य शक्तिशाली सेना तैयार की जिसने अपने समय की सबसे बड़ी सैनिक शक्ति को परास्त किया। उन्होंने जनता की सोई शक्ति को जगा दिया जो अपने सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिये बड़ी से बड़ी ताकत से लड़ने में समर्थ साबित हुई। गुरू जी का पूरा जीवन अध्यात्म एवं मानवता की सेवा में गुजरा और उनके द्वारा स्थापित ''खालसा पंथ'' को भाईचारे एवं बहादुरी की मिशाल के रूप में देखा जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें गर्व है और यह हमारी सौभाग्य भी है कि अपने जीवनकाल में हमें श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व के आयोजन का अवसर मिला।

आज यह पर्व पटना एवं पूरे विश्व में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस अवसर का लाभ उठाकर हम सरवंशदानी दशमेश पिता श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज की जीवनी, उपदेशों, विचारों और कृत्यों से प्रेरणा लेकर अपने समाज को और बेहतर और खुशहाल बनायेंगे। पटना में इस आयोजन से देश और दुनिया में प्रेम, सौहार्द्र, सद्भावना तथा सहिष्णुता का संदेश जायेगा। पटना का यह गॉधी मैदान अनेक ऐतिहासिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों का साक्षी रहा है किन्तु श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व की भव्यता एवं सुन्दरता अद्वितीय है।

उन्होंने कहा कि यह वर्ष बिहार के लिये इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि 350वें प्रकाश पर्व एवं बापू के चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष में राज्य में पूर्ण शराबबंदी लाूग की गई है। इस पहल के कारण राज्य में शांति, सौहार्द्र एंव खुशहाली का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज एवं राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी को हमारी श्रद्धांजलि है। आज घर–घर मे खुशियॉ आई हैं। यह अनुभव करने की चीज है। उन्होंने कहा कि गुजरात में शुरूआत से शराबबंदी लागू है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मजबूती से शराबबंदी को लागू रखा था। उन्होंने कहा कि समाज अगर शराब मुक्त एवं नशा मुक्त होगा तो बिहार और देश और आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 350वें प्रकाशपर्व के वृहद आयोजन को दृष्टिगत रखते हुये 6–7 वर्ष पूर्व से ही तैयारी प्रारंभ की गई थी। तख्त श्री हरमंदिर जी साहिब पुराने पटना में अवस्थित रहने के कारण आयोजन का कार्य चुनौतीपूर्ण था इसलिये वहॉ के आधारभूत संरचना एवं बुनियादी सुविधायें यथा– पथ, गली, नाली, बिजली, पेयजल सुविधाओं का जीर्णोद्धार एवं उन्नयन समय रहते पूर्ण किया गया। विभिन्न संबद्ध धार्मिक स्थलों तक सुगमतापूर्वक पहॅुचने के लिये नये फ्लाईओवर का भी निर्माण किया गया। लाखों श्रद्धालुओं के सुविधाजनक आवासन के लिये सरकारी भवनों के साथ–साथ तीन स्थलों पर वृहद टेंट सिटी की स्थापना की गयी है। श्रद्धालुओं के आवभगत एवं आवागमन का भी समुचित ख्याल रखा गया ताकि उन्हें कम से कम असुविधा हो।

उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से बिहार में तख्त श्री हरिमंदिर जी साहिब के साथ–साथ गुरू का बाग पटना सिटी, बाल लीला साहिब पटना, गुरूद्वारा हाण्डी साहिब, दानपुर, गुरू तेग बहादुर गुरूद्वारा, गायघाट, गुरू नानक कुण्ड राजगीर, नालन्दा, गुरूद्वारा पच्चीसंगत मुंगेर के अलावा आरा, कटिहार, गया, नवादा, सासाराम, भागलपुर में अनेक गुरूद्वारे एवं धार्मिक स्थल मौजूद हैं। इसे दृष्टिगत रखते हुये गुरू सर्किट का विकास किया जायेगा। साथ ही इस अवसर को यादगार बनाने के लिये गुरू के बाग के पास ही बहुउद्देशीय प्रकाश केन्द्र एवं उद्यान की स्थापना की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आतिथ्य सत्कार में बिहार जैसे अल्प साधन संपन्न राज्य के सामर्थ्य में जो सब बन सका हमने करने का प्रयास किया है, अगर फिर भी आगन्तुकों के स्वागत में कोई कमी रह गयी हो तो हमें क्षमा कीजियेगा। तख्त श्री हरमंदिर साहिब श्रद्धालुओं के आस्था का केन्द्र रहा है। हजारों लोग मत्था टेक आशीष लेने आते हैं। हमारे लिये गर्व का विषय है कि प्रकाश पर्व के इस अवसर पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु यहॉ आये और हमें सेवा का अवसर दिया। हमें विश्वास है कि आप सभी का यह स्नेह भविष्य में भी बना रहेगा और आप इसी तादाद में आते रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रकाश पर्व से जो प्रकाश निकला है इससे बिहार आगे बढ़ेगा और देश की प्रगति में अपना योगदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पर मैं इस आयोजन में लगे समस्त महानुभावों, अधिकारियों, कर्मियों एवं नागरिकों का अभिनंदन करता हूॅ। जिन्होंने अभूतपूर्व निष्ठा और संवेदनशीलता का परिचय दिया है। विशेष रूप से श्री जी0एस0 कंग जी, श्री बलजीत सिंह जी, निष्काम सेवा जत्था के प्रमुख भाई मोहिन्दर सिंह जी एवं संत बाबा कश्मीर सिंह जी

भूरीवाले के योगदान का मैं उल्लेख करना चाहूँगा। साथ ही मै। उन सभी संतों का अभिनन्दन करना चाहूँगा। जिन्होंने निष्काम सेवा भाव से वृहद लंगरों का संचालन किया। शिरोमणी गुरूद्वारा प्रबंधक कमिटि एवं तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब प्रबंध कमिटि ने भी आयोजन को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई है। मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, डी0जी0पी0 श्री पी0के0 ठाकुर, पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती हरजोत कौर, नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री चैतन्य प्रसाद, पटना के डी0आई0जी0 श्री शालिन, पटना के जिलाधिकारी श्री संजय कुमार अग्रवाल, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक श्री मनु महाराज और पदाधिकारी की समस्त टीम ने उत्कृष्ट कार्य कुशलता का प्रदर्शन किया है। उनके कार्य से देश और देश के बाहर भी बिहार की छवि और बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आप सब का स्वागत करता हूँ और आशा करता हूँ कि बिहार से आप सुखद एवं स्मरणीय यादें लेकर साथ लौटेंगे।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुये भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा– गुरू पर्व एवं नये साल की सभी लोगों को बधाई देता हूँ। गुरू गोविन्द सिह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व के सफल आयोजन के लिये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को धन्यवाद देता हूँ। श्री गुरू गोविन्द सिंह जी की पवित्र धरती को नमन करता हूँ, पटना साहिब में प्रकाश पर्व की विशेष अहमियत है। श्री गुरू गोविन्द सिंह जी ने संसार को मानवता की प्रेरणा दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने दिन–रात मेहनत की है। मुझे बताया जाता था कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार खुद आयोजन स्थल पर जाकर अधिकारियों को निर्देश देते हैं। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को प्रकाश पर्व के भव्य आयोजन के लिये बधाई देता हूँ। श्री गुरू गोविंद सिंह जी ने पूरे भारत को एक सूत्र में बांधा था। पंज प्यारे एवं खालसा के माध्यम से पूरे देश को एक सूत्र में पिरोया था। गुरू गाोविंद सिंह जी का जीवन त्याग और बलिदान की मिसाल है। श्री गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज ने सर्वधर्म समभाव का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शराबबंदी अभियान के लिये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को बधाई देते हुये कहा कि सामाजिक परिवर्तन का काम कठिन होता है। सामाजिक परिवर्तन का काम करने की हिम्मत मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने दिखाई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन का काम केवल मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, सरकार या किसी दल का नहीं है। मैं बिहार के सभी राजनीतिक पार्टियों और बिहार की जनता से अपील करता हूँ की सामाजिक परिवर्तन के इस अभियान को सफल बनायें। शराबबंदी के लिये बिहार की जनता का अभिनन्दन। देश की अनमोल ताकत बनेगा बिहार।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुये राज्यपाल श्री रामनाथ कोविंद ने गुरू गोविंद सिंह महाराज के 350वें प्रकाश पर्व के अवसर पर आये हुये सभी लोगों का बिहार की इस पवित्र धरती पर स्वागत किया। आयोजित कार्यक्रम को पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल ने भी संबोधित किया। अपने संबोधन में पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल ने गुरू गोविंद सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व के भव्य आयोजन के लिये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की मिसाल नहीं मिलती है। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को किन लफ्जों में धन्यवाद दूँ। श्री नीतीश कुमार ने समागम के आयोजन में अपनी पूरी दिलचस्पी दिखायी है। अपने जीवन काल में ऐसा समागम नहीं देखा है।

श्री गुरू गोविंद सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व के अवसर पर गॉधी मैदान पटना में आयोजित विशेष कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, राज्यपाल श्री रामनाथ कोविंद, मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल एवं अन्य ने गुरू गोविंद सिंह जी महाराज से संबंधित डाक टिकट जारी किया।

गॉधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम से पूर्व आज पटना हवाई अड्डा पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई राज्यपाल श्री रामनाथ कोविंद, मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं अन्य गणमान्य लोगों द्वारा की गयी।

****